क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 30, शुक्रवार, 22 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आप विधायक जारवाल दोषी करार

नई दिल्ली एजेंसी। प्रदर्शन के दौरान सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने व सरकारी कर्मचारियों को अपना दायित्व निभाने से रोकने एवं उनपर हमला करने के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आप विधायक प्रकाश जारवाल सहित तीन को दोषी ठहराया है। उन्हें सजा दिए जाने के बिंदु पर अदालत 13 मार्च को सुनवाई करेगी। इसको लेकर जारवाल के खिलाफ अम्बेडकर नगर थाना ने मामला दर्ज किया था।

कांग्रेस से गठबंधन को लेकर जयंत चौधरी ने दिया ये बयान

लखनऊ, एजेंसी। चौधरी अजित सिंह के राष्ट्रीय लोकदल ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन करने की बातों को बेबुनियाद बताया है। पार्टी ने कहा है कि उसने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (स्क) और बहुजन समाज पार्टी (ब्स्क) के गठबंधन में शामिल होने का फैसला पहले ही कर लिया है। रालोद के उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसान और युवा विरोधी नीतियों का विरोध करेगी। उन्होंने बयान में कहा है कि इसके लिये हमने पहले ही और का मजबूत विपक्षी गठजोड़ बना लिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन को जीत दिलाने के लिये कार्यकताओं को संदेश भी भेजा है। गौरतलब है कि बुधवार को चर्चा थी कि रालोद को सपा और बसपा गठबंधन ने सीटों की संख्या पर भरोसा नहीं दिया है और इस वजह से पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन का रास्ता खुला रखा है और कांग्रेस ने उसे उत्तर प्रदेश में 10 और राजस्थान में एक लोकसभा सीट देने का प्रस्ताव दिया है।

तीन तलाक अध्यादेश पर अध्यादेश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लगाई मुहर

नई दिल्ली एजेंसी। तीन तलाक अध्यादेश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गुरूवार फिर से अपनी मंजूरी दे दी। जिसके बाद मुस्लिम युवको के लिए फैरन तीन तलाक देने भारतीय कानून के तहत अपराध माना जाएगा। राष्ट्रपति की तरफ से तीन तलाक पर मुहर लगाने के बाद एक साल से भी कम वक्त में तीसरी बाद लागू किया गया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की तरफ से दोबारा तीन तलाक पर अध्यादेश जारी करने के दो दिन बाद राष्ट्रपति से इस पर दस्तखत किए हैं। इससे पहले, मंगलवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली ने संवाददाताओं से कहा था कि तीन तलाक अध्यादेश को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि ये उन अध्यादेशों में शामिल हैं जिसे लोकसभा में तो पास करा लिया गया लेकिन विपक्षी दलों के भारी विरोध के चलते राज्यसभा में नहीं पास कराया जा सका है।

कार ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को मारी टक्कर

कार चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने बुधवार सुबह यातायात पुलिस के कांस्टेबल को टक्कर मार दी। हादसे के भाग रहे आरोपी कार चालक पीयूष को पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दबोच लिया। घायल बजरंग (30) को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक बजरंग यातायात पुलिस में कांस्टेबल है और उसकी तैनाती राजौरी गार्डन सर्किल में है। पुलिस को दी शिकायत में उसनने बताया कि बुधवार सुबह वह राजधानी कॉलेज की तरफ अन्य यातायात पुलिसकर्मियों के साथ वाहनों की जांच कर रहा था। एक कार चालक रेडलाइट जंप कर आते देख बजंरग ने उसे रु कने का इशारा किया। चालक ने कार पहले धीमी की, फिर गति बढ़ाकर बजरंग को टक्कर मार दी और भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

शहीदों के सम्मान में कांग्रेस की श्रद्धांजलि सभा व कैंडल मार्च

पूर्वी दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित के आह्वान पर वेलकम ब्लॉक कांग्रेस ने शहीदों के सम्मान में कैंडल मार्च और श्रद्धांजलि सभा की। इस दौरान पूर्व विधायक विपिन शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। शहीदों को श्रद्धांजलि देने व कैंडल मार्च का आयोजन तारिक सिद्दीकी और मोहमद नाजीर ब्लाक अध्यक्ष ने किया है।

सिपाही को कैमरे पर फोटो दिखाती विदेशी महिला।

पुलवामा हमला:

अब किसी भी यात्रा के लिए हवाई मार्ग से श्रीनगर जाएंगे अर्धसैनिक बलों के जवान

नई दिल्ली। पुलवामा आतंकी हमले के बाद जहां एक तरफ पाकिस्तान को आतंक के मोर्चे पर अलग-थलग करने का प्रयास किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ दोबारा ऐसा घटना न हो इसके लिए जरूर उपाय भी उठाए जा रहे हैं। कश्मीर घाटी में तैनात सीआरपीएफ और अन्य अद्धसैनिक बलों के जवान छुट्टी पर जाने के लिए और छुट्टी से वापस ड्यूटी पर लौटते वक्त अब वाणिज्यिक उड़ानों का इस्तेमाल कर सकेंगे।

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादी हमले में 40 जवानों के शहीद होने की घटना के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक आदेश जारी किया जिसमें यह जानकारी दी गई है। आदेश में कहा गया है, ''केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के सभी कर्मियों के लिए दिल्ली-श्रीनगर, श्रीनगर-दिल्ली, जम्मू-श्रीनगर और श्रीनगर-जम्मू सेक्टर पर हवाई यात्रा की मंजूरी दी गई है। इसमें कहा गया है कि इस निर्णय से कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल और सहायक उप निरीक्षक रैंक के लगभग 7 लाख 80 हजार उन अर्धसैनिक कर्मियों को तुरंत लाभ होगा जो पहले इसके पात्र नहीं थे। बयान में कहा गया, ''इसमें ड्यूटी पर यात्रा या छुट्टी पर जाने की यात्रा शामिल है, यानी जम्मू कश्मीर से घर आने और लौटने के दौरान। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलवामा में गत 14 फरवरी को आत्मघाती हमले में जवान और उप अधिकारी रैंक के सुरक्षा बल शहीद हुए थे और अब इस रैंक के जवान वाणिज्यिक उड़ानों की टिकटों को बुक करा सकेंगे और अपने संगठन या बल से भुगतान का दावा कर सकते है।

दिल्ली सरकार ने चालू वित्त वर्ष में पानी की सब्सिडी को दिए चार सौ करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली वासियों को मुफ्त पानी मुहैया कराने के मामले में दिल्ली जल बोर्ड ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने उसे चालू वित्तीय वर्ष में पानी पर चार सौ करोड़ रपए की सब्सिडी दी है। उसने कहा है कि हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी देने की योजना के तहत वर्ष 2017-18 में 396.66 करोड़ रपए दिए हैं, जबकि योजना शुरू किए वर्ष 2014-15 में यह 1.88 करोड़ रपए था। बोर्ड ने यह जवाब अधिवक्ता तजिंद्र सिंह व अनुराग चौहान की जनहित याचिका पर दिया है जिन्होंने मुफ्त पानी दिए जाने योजना को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने इसे सरकारी धन का दुरुपयोग बताया है।

बोर्ड ने अपना हलफनामा अधिवक्ता सुमित पुष्कर्ना के माध्यम से दाखिल किया है। उसने कहा है कि वर्ष 2014-15 में 5.6 लाख उपभोक्ता थे जो अब बढ़कर 11.11 लाख पहुंच गया है। उसके कारण सब्सिडी की राशि भी बढ़ी है। बोर्ड ने कहा है कि यह योजना आवासीय उपभोक्ताओं के लिए है। इसके कारण चालू वाटर मीटर की संख्या भी बढ़ रही है। मार्च 2015 में चालू वाटर मीटर की संख्या 8.57 लाख थी, जो बढ़कर मार्च 2018 में 14.67 लाख हो चुकी है। वहीं बगैर मीटर वाले कनेक्शन की संख्या में कमी आई है। पहले मार्च 2015 में बगैर मीटर वाले कनेक्शन की संख्या 3.29 थी, जो घटकर मार्च 2018 में 1.58 लाख हो चुकी है। याचिका में कहा गया था कि हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी दिया जाना सरकारी संसाधन की बर्बादी है। उस योजना को लागू करने से पहले सरकार को शोध करना चाहिए था और तब जाकर योजना लागू करनी चाहिए थी क्योंकि राजधानी के कई इलाके अभी भी बगैर पानी के हैं और उन इलाकों में पाइपलाइन नहीं है।

लखनऊ : केजीएमयू में 100 करोड़ की परियोजनाओं का मंत्री ने किया शुभारंभ

लखनऊ एजेंसी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के मंत्री आशुतोष टंडन ने गुरुवार को केजीएमयू में 100 करोड़ की लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व शुभारंभ किया। इसमें 14 बेड के वेंटिलेटर व 6 बेड का हाई डिपेंडेंसी यूनिट शामिल है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है।

13 नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। इनमें से पांच मेडिकल कॉलेज की शुरुआत जल्द होगी द्य बस्ती, बहराइच, अयोध्या, फिरोजाबाद , शाहजहांपुर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केजीएमयू पर मरीजों का काफी दबाव है। प्रदेशभर से मरीज यहां आ रहे हैं। आसपास के जिलों में इलाज की सुविधाओं को बेहतर करके केजीएमयू पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है।

मंत्री ने दी नसीह

केजीएमयू के डॉक्टर व कर्मचारी मरीजों के प्रति अच्छा व्यवहार करें। क्योंकि मीडिया में तमाम डॉक्टर व कर्मचारियों के बर्ताव को लेकर सूचनाएं आती हैं। इससे केजीएमयू की छवि को धक्का लग रहा है।

अस्पताल के अधिकारी पहले भवन का निर्माण कराएं उसके बाद ही उपकरण खरीदे। अभी तक जो व्यवस्थाएं थी उसमें पहले उपकरण खरीदे जाते थे। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होता था। इससे मरीजों को समय पर इलाज मुहैया कराने का मकसद हल नहीं हो पा रहा था।

कुलपति डॉ. एमएलबी भट्ट ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा वेंटिलेटर केजीएमयू में ही हैंद्य यहां तकरीबन 200 वेंटीलेटर का संचालन हो रहा है। नवजात से लेकर बुजुर्गों तक के लिए वेंटिलेटर की सुविधा है। डॉक्टर व कर्मचारियों पर काफी काम का दबाव है। इसके बावजूद मरीजों की सेवा में

कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। पहले अफसर वेंटीलेटर व दूसरे उपकरण खरीदते थेद्य बाद में भवन निर्माण होता था। अब व्यवस्थाओं में काफी सुधार लाया गया है। अब निर्माण के बाद ही उपकरण खरीदे जा रहे हैं।

कार्यक्रम में केजीएमयू पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत सीएमएस डॉ. एसएन संखवार सीटीवीएस विभाग के डॉ. एसके सिंह समेत कई अफसर मौजूद थे।

»» सीएम योगी का ऐलान

आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मानदेय में 1500 रुपए की बढ़ोतरी

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ऐलान किया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मानदेय में 1500 रुपए, मिनी आंगनबाड़ी का 1250 और सहायक आंगनबाड़ी का 750 रुपए की बढ़ोतरी होगी।

राजधानी लखनऊ में किशोरी बालिका योजना का शुभारंभ समारोह के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस योजना में वीरांगना दल का गठन होगा। इस दल में एक वीरांगना समेत 25 से 30 किशोरियां होंगी। इन

किशोरियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

आंगनबाड़ी केंद्र पर बनाये जाएंगे कार्ड

योगी ने कहा कि किन्ही कारणों से जो किशोरी स्कूल नहीं जा पा रही है उन किशोरियों को पौष्टिक आहार केंद्रों से मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा सबसे पहला आंगनबाड़ी का काम देश मे यशोदा मैया ने किया था। राष्ट्र को मजबूत करने का काम आंगनवाड़ी के पास है।

हेल्थ चेकअप की व्यवस्था

8 मार्च से चलने वाले पखवाड़े में इस कार्यक्रम में हेल्थ चेकअप व ब्लड जांच की भी व्यवस्था है। इसमें स्वास्थ्य विभाग , बाल पुस्टाहार व माध्यमिक शिक्षा विभाग एक साथ काम करेगा ।

यूपी में सपा-बसपा गठबंधन को मजबूती देने पहुंचे हार्दिक पटेल, पीएम पर किया हमला

लखनऊ। पहली बार प्रतापगढ़ पहुंचे गुजरात के पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने बुधवार को आयोजित जनसभा में पीएम पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस गुजरात को विकास का मॉडल बताकर मोदी देशभर में ढिंढोरा पीटते हैं, उस प्रांत के 22 जिले के लोगों को हर दिन पानी के लिए भटकना पड़ता है। हार्दिक पटेल ने कहा कि गुजरात के एक व्यक्ति ने गुजरात से आकर जिस तरीके से देश की बागडोर संभाली है, ऐसे में यूपी की भूमिका बड़ी है। मैं और अखिलेश यादव ने कई मुद्दों पर चर्चा की। आज देश का नौजवान और किसान मुश्किल में है। गुजरात मॉडल दिखाकर पीएम ने देश के हालात को बदतर किया। उन्होंने आगे कहा कि आज जो भी पीएम के खिलाफ बोलता है, उसे देश द्रोही करार कर दिया जाता है। यूपी में आज कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। प्रतापगढ़ में एक कुर्मी समाज का लड़का पिछले कई महीनों से गायब है। वहां गया था मैं। हार्दिक पटेल ने कहा कि मोदी जी ने जो वादा किया था उसे नहीं निभाया। आज देश को मजबूत लोगों की जरूरत है। मैं यूपी आता रहता हूं, यहां के लोगों से मिलता रहता हूं। अखिलेश जी ने यूपी में बेहतर काम किया है। गुजरात मॉडल में आज तक मेट्रो नहीं आई। मोदी जी झूठ बोलते हैं और जोर-जोर से बोलते है ताकि वो सच लगे। पुलमवा हमले में खुफिया एजेंसी के चेतावनी के बावजूद उस रास्ते को चेक नहीं किया गया था।

यमुना प्राधिकरण में एक और जमीन घोटाला उजागर, ऐसे हुआ खुलासा

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। यमुना प्राधिकरण में एक और जमीन घोटाला हुआ है। हाथरस जिले में जरूरत से अधिक जमीन खरीदकर करीब 30 करोड़ रुपये का गोलमाल हुआ। किसानों को 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड देने के लिए 5 हेक्टेयर के बजाय 15 हेक्टेयर जमीन खरीद ली गई। यमुना प्राधिकरण के चेयरमैन आरोपियों पर कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजेंगे।

इस गड़बड़झाले में वे सभी 15 नाम सामने आ रहे हैं, जिनके नाम मथुरा जमीन घोटाले में आए थे। इस जमीन का इस्तेमाल अब तक नहीं हो सका है जबकि प्राधिकरण ने मुआवजे की इस रकम पर ब्याज भी भरा है। यमुना प्राधिकरण के नियोजन विभाग ने हाथरस जिले के मुढ़ावली गांव में जमीन खरीद की जांच की। यह जांच रिपोर्ट प्राधिकरण के चेयरमैन को सौंपी जा चुकी है। जांच रिपोर्ट बताती है कि आगरा और मथुरा के किसानों को सात फीसदी आवासीय भूखंड देने के लिए नियोजन विभाग ने पांच हेक्टेयर जमीन खरीदने के लिए कहा था।

यमुना प्राधिकरण ने वर्ष 2013 में जरूरत से अधिक 15 हेक्टेयर जमीन खरीद ली। इसके एवज में 39 करोड़ का भुगतान किया गया जिनसे यह जमीन खरीदी गई, उसमें एक भी मूल काश्तकार नहीं है।

हाथरस में करीब 15 लोगों ने पहले खुद किसानों से सस्ती दर पर जमीन खरीद ली। कुछ दिन बाद प्राधिकरण ने जमीन को खरीद लिया। प्राधिकरण ने जब जमीन खरीदी तो उस समय विक्रेताओं के नाम म्यूटेशन भी नहीं हुआ था। जमीन लेने से पहले किसी किसान की सहमति नहीं ली गई थी।

इससे पहले हुए मामले में 21 पर केस

यमुना प्राधिकरण की जांच में मथुरा जिले में जमीन खरीद घोटाले का खुलासा हुआ था। इसमें 126 करोड़ की गड़बड़ी मिली थी।

जमीन खरीद घोटाले में पिछले साल 3 जून को प्राधिकरण की ओर से कासना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसमें तत्कालीन सीईओ पीसी गुप्ता सहित 21 लोग शामिल थे।

पुलिस ने इस मामले में पीसी गुप्ता समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को जमानत मिल चुकी है। कुछ अधिकारियों ने रिश्तेदारों के नाम से कंपनी बनाकर करोड़ों रुपये का हेरफेर किया।

घोटाले में आरोपपत्र तैयार

मथुरा जमीन घोटाले के तीन आरोपी तत्कालीन तहसीलदारों रणवीर सिंह, चमन सिंह (दोनों निलंबित) और सुरेशचंद्र शर्मा (सेवानिवृत्त) के खिलाफ आरोप पत्र तैयार हो गए हैं। आरोपपत्र कार्रवाई के लिए राजस्व परिषद को भेज दिए गए हैं। अब इन तीनों पर राजस्व परिषद से शीघ्र ही कार्रवाई हो सकती है।

एक और आरोपी गिरफ्तार

मथुरा जमीन घोटाले में रणवीर सिंह, चमन सिंह और सुरेशचंद्र शर्मा रणवीर सिंह को हाल ही में सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। चमन सिंह फरार है और सुरेशचंद्र शर्मा सेवानिवृत्त हैं। उनकी भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्राधिकरण के अफसरों ने आरोप पत्र भेजे जाने की पुष्टि की है।

कम राशि के चेक बनाए

इस घोटाले में 15 लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। इन लोगों के नाम मथुरा जिले में हुई जमीन खरीद में भी शामिल हैं। विक्रेताओं को मुआवजे के चेक दिए। वे सभी 30 लाख रुपये से कम के हैं।

संपादकीय

इतने से नहीं समझेंगे अलगाववादी

सरकार द्वारा अलगाववादी नेताओं की सुरक्षा वापस लेने का निर्णय सराहनीय है। हालांकि, इनकी स्थिति तो ऐसी बना दी जानी चाहिए थी कि ये भारत विरोध का शब्द मुंह से निकालने के पहले सौ बार सोचते। सुरक्षा कवच हटाना सही है, पर यह मात्र एक कदम भर है। उनके खिलाफ बहुस्तरीय जांच हो जिनमें उनकी गतिविधियों से लेकर संपत्तियां भी शामिल हों। तभी अलगाववादी नेताओं की हरकतों पर लगाम लग सकेगी।

सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी नेताओं की सुरक्षा वापस लेने के निर्णय का जिस तरह देश भर में स्वागत हुआ उससे समझा जा सकता है कि इनको लेकर लोगों की भावनाएं क्या हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन का बयान है कि जिनकी सुरक्षा हटाई गई है उसके अलावा भी अगर किसी अलगाववादी को किसी तरह की पुलिस सुरक्षा है तो पता लगने के बाद उसे भी वापस किया जाएगा। साथ ही अगर उन्हें सरकार के द्वारा कोई दूसरी सुविधाएं मिल रही हैं तो वे भी तत्काल हटा ली जाएंगी। इस आदेश के बाद अलगाववादी मौलवी मीरवाइज उमर फारूक, अब्दुल गनी भट, बिलाल लोन, हाशिम कुरैशी और शब्बीर शाह की सुरक्षा व सरकारी वाहनों की सुविधाएं खत्म हो गई हैं। हालांकि आदेश में पाक समर्थक अलगाववादी तहरीए-ए-हुर्रियत के नेता सैयद अली शाह गिलानी और यासीन मलिक का नाम नहीं होने को लेकर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। यासिन मलिक को सरकारी सुरक्षा प्राप्त नहीं है तथा गिलानी घर में नजरबंद हैं। प्रशासन के बयान को देखें तो किसी और अलगावादी को सरकारी सुरक्षा या सुविधाएं हासिल हैं, तो राज्य पुलिस मुख्यालय इसकी समीक्षा करेगा और इसे तुरंत वापस ले लिया जाएगा।

पूरे देश से यह मांग लंबे समय से थी कि जो नेता भारत को तोड़ने के लिए अभियान चलाते हैं, खुद को भारत का नागरिक तक नहीं कहते, कुछ स्वयं को विवादास्पद क्षेत्र का नागरिक कहते हैं तो कुछ स्वयं को पाकिस्तानी...उनको भारत की ओर से मिलने वाली हर तरह की सुरक्षा व सुविधा समाप्त करनी चाहिए। इन जवानों की शहादत के बाद जिस तरह का गुस्सा देश में है उसको देखते हुए यह कदम लाजिमी हो गया था। यह समय ऐसा है जब इसका सार्वजनिक विरोध करना उनके लिए भी आसान नहीं जो हुर्रियत नेताओं के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इनके जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला और उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला भी शामिल हैं। हालांकि, कांग्रेस के नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैफुद्दीन सोज इस कदम के खिलाफ आ ही गए। उन्होंने कहा है कि इनकी सुरक्षा हटाने की नकारात्मक प्रतिक्रिया होगी। सोज ने तो उन्हें प्रमाण पत्र भी दे दिया कि हुर्रियत के नेताओं ने कभी हिंसा का पक्ष नहीं लिया।

पूरा देश जानता है कि हुर्रियत नेता खुलकर आतंकवादियों के पक्ष में बयान नहीं देते, पर किसी आतंकवादी हिंसा की निंदा करते हुए उन्हें नहीं सुना गया। उल्टे वे सुरक्षा बलों को ही खलनायक साबित करते हैं। वे आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई का विरोध करते हैं। आतंकवादियों के जनाजे में वे शामिल होते हैं और भारत विरोधी नारे तक लगवाते हैं। इन्होंने कभी पत्थरबाजों की आलोचना नहीं की है, लेकिन सुरक्षा बल जब इनके विरुद्ध पैलेट गन या आंसूगैस का इस्तेमाल करते हैं तब ये जरूर आसमान सिर पर उठा लेते हैं। अगर सोज को इसमें हिंसा का समर्थन नहीं दिखता तो उन्हें अपना चश्मा बदल लेना चाहिए। कांग्रेस को उनसे पूछना चाहिए कि हुर्रियत के प्रति उनके प्रेम का कारण क्या है? एनआईए द्वारा आतंक को वित्त पोषण करने के आरोप में हुर्रियत नेताओं के गिरफ्तार होने के बाद इस तरह का बयान आपत्तिजनक है।

हालांकि सुरक्षा हटाने के फैसले के बाद मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले हुर्रियत कांफ्रेंस ने कहा है कि सरकार ने खुद ही उन सबको सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया था, जिसकी कभी मांग नहीं की गई। उमर फारूक और प्रो अब्दुल गनी बट तो आरोप लगा रहे हैं कि इस सुरक्षा को भारतीय एजेंसियां कश्मीर की आजादी पसंद तंजीमों व उनके नेताओं को बदनाम करने के लिए ही इस्तेमाल करती रही हैं। इसके जरिए हमारी गतिविधियों की निगरानी की जाती थी। अब्दुल गनी बट ने कहा कि उन्हें राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुरक्षा की जरूरत नहीं है। बहुत अच्छा। आपकी चाहत सरकार ने पूरी कर दी है। लेकिन कुरैशी का कहना है कि सुरक्षा हटाने के बाद आईएसआई मुझे निशाना बनाएगी क्योंकि मैं कश्मीर की आजादी की बात करता हूं, पाकिस्तान में मिलाने का नहीं। कुरैशी का बयान यह साबित करता है कि फारुख या फिर बट जो बोल रहे हैं वह सच नहीं है। इस कदम से हुर्रियत नेता परेशान हैं, उनकी चिंता बढ़ी है। यह स्वाभाविक भी है। मीरवायज का ही उदाहरण लीजिए। उनको जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। उन्हें बुलेट प्रूफ वाहन भी दिया गया।

2017 में जामिया मस्जिद में ईद से कुछ दिन पहले ही एक डीएसपी को जब भीड़ ने पीटपीटकर मार डाला तो उनकी सुरक्षा में कटौती कर दी गई। डीएसपी को हटाकर सुरक्षा की कमान इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी को दी गई। इसी तरह अन्यों को भी अलग-अलग श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी। यह प्रश्न लंबे समय से उठ रहा था कि आखिर जनता का धन इन भारत विरोधियों पर क्यों खर्च किया जाना चाहिए? इनकी सुरक्षा पर होने वाले खर्च के अलग-अलग आंकड़े आए हैं और इसका बड़ा कारण यह है कि सरकारें हर वर्ष इसका ऐसा आंकड़ा बनाती थी ताकि लगे कि काफी बड़ी राशि इन पर खर्च हो रही है। पिछले वर्ष फरवरी में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पेश रिपोर्ट के अनुसार अलगाववादी नेताओं की सुरक्षा पर 10.88 करोड़ रुपए सलाना खर्च किए गए। उमर फारूख की सुरक्षा पर एक दशक में छह करोड़ से ज्यादा खर्च की जानकारी सरकार ने दीं। प्रो अब्दुल गनी बट की सुरक्षा पर एक दशक में 2.34 करोड़, बिलाल गनी लोन पर 1.65 करोड़ और हाशिम कुरैशी की सुरक्षा पर डेढ़ करोड़ खर्च किए गए। कोई भी समझ सकता है ये आंकड़े सच नहीं हो सकते।

वैसे अन्य अलगाववादियों या उनसे जुड़े कई लोगों को सुरक्षा है। इनमें सज्जाद लोन तो अब राजनीति की मुख्यधारा में आ चुके हैं। किंतु उनकी बहन शबनम लोन, आगा हसन, मौलाना अब्बास अंसारी आदि की सुरक्षा की समीक्षा होनी चाहिए। राज्य में 25 लोगों को जेड प्लस तथा 1200 लोगों के पास अलग-अलग श्रेणी की सुरक्षा है। इन सबकी गहन समीक्षा की जाएगी तो कई अलगाववादी की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसा न हो कि सुरक्षा वापसी का कदम यही तक सीमित रह जाए। इसके अलावा सरकार इनके महंगे इलाज से लेकर बाहर जाने पर होटलों में ठहरने का तक व्यय वहन करती रहीं हैं। जब ये दिल्ली आते हैं तो नामी महंगे होटलों में ठहरते हैं। कश्मीर के कई होटलों में इनके लिए स्थायी रूप से कमरा बुक रहता है। पता नहीं इतनी सुविधा इनको क्यों मिली हुई थीं? वास्तव में हुर्रियत नेता जिस तरह भारत विरोधी गतिविधियां चलाते हुए सुख-वैभव और सुविधाओं के साथ सुरक्षित रहते हैं वह हर भारतवासी की छाती में शूल की तरह चुभता है। सात लोग तो इनके बड़े चेहरे हैं। पाक से हवाला के जरिए आतंक को बढ़ावा देने के लिए धन लेने का प्रमाण मिलने के बाद एनआईए ने दस को गिरफ्तार किया है। यह बात अलग है कि इनमें शब्बीर शाह को छोड़कर कोई बहुत बड़ा नाम नहीं है।

इनकी स्थिति तो ऐसी बना दी जानी चाहिए थी कि ये भारत विरोध का शब्द मुंह से निकालने के पहले सौ बार सोचते। सुरक्षा कवच हटाना सही है, पर यह एक कदम है। उनके खिलाफ बहुस्तरीय जांच हो जिनमें उनकी गतिविधियों से लेकर संपत्तियां भी शामिल हों। क्या पाकिस्तान से आने वाली राशि का उपयोग केवल वे लोग ही करते थे जिन्हें एनआईए ने गिरफ्तार किया? ये अलगावादी इतने शान ओ शौकत में रहते कैसे हैं? इनके पास अकूत संपत्ति है जिनमें स्कूल, होटल, मकान-प्लॉट सब कुछ है। यासीन मलिक 1990 के आसपास रेहड़ी चलाकर गुजारा चलाता था। आज वह श्रीनगर के सबसे महंगे बाजार लालचौक इलाके की दो तिहाई से भी ज्यादा संपत्ति का मालिक है। अलगाववादियों की भारत विरोधी गतिविधियों पर आघात करना है तो सबकी संपत्तियों की एक बार जांच कराकर बेनामी संपत्ति कानून के तहत इनको जब्त किया जाए।

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

भूकंप ने फिर बढ़ाई चिंता

राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नुकसान तो नहीं हुआ, मगर इस झटके ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हम बड़े झटके को झेलने के लिए तैयार हैं। यदि नहीं तो अब भी हम गलतियों को सुधार सकते हैं।

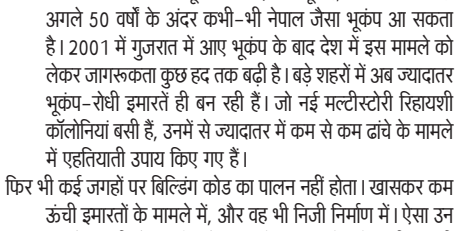

राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। गनीमत यह रही कि कहीं से भी किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली। भूकंप का केंद्र यूपी के बागपत में था। उत्तर प्रदेश के मेरठ तक भूकंप के झटके मसहूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई। कुछ दिन पहले भी जम्मू-कश्मीर समेत पूरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दिल्ली सिस्मिक जोन-4 में आता है और हाल के वर्षों में राजधानी और उसके आसपास के इलाके में हल्के झटके आते रहे हैं। धरती के अंदर हुई इस हलचल को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कई शहरों में महसूस किया गया। सिस्मिक जोन-5 को भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक खतरनाक माना जाता है। साथ ही दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुचेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इंफाल, चंडीगढ़, अंबाला, अमृतसर, लुधियाना, रुड़की सिस्मिक जोन-4 और 5 में रखे गए हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, गुजरात, उत्तर बिहार और अंडमान-निकोबार के कुछ इलाके जोन-5 में शामिल हैं।

भारत में समय-समय पर भूकंप के खतरों पर चर्चा चलती रहती है। नेपाल में आए भयानक भूकंप के बाद तो भारत में खतरे वाले शहरों को लेकर चिंता बढ़ गई थी। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक हम जागरूकता और एहतियात के उस पैमाने के पास भी नहीं पहुंच सके हैं, जो इस बात के लिए आश्वस्त कर सके कि आपदा का सामना करने के लिए भारत तैयार है। हर बार हमारी तैयारी को शक की निगाह से ही देखा जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि 38 शहर हाई रिस्क जोन में हैं। अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ सीस्मोलॉजिकल रिसर्च के विशेषज्ञों का मानना है कि कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के नीचे भूकंपीय खाइयां मौजूद हैं, जिनके चलते यहां अगले 50 वर्षों के अंदर कभी-भी नेपाल जैसा भूकंप आ सकता है। 2001 में गुजरात में आए भूकंप के बाद देश में इस मामले को लेकर जागरूकता कुछ हद तक बढ़ी है। बड़े शहरों में अब ज्यादातर भूकंप-रोधी इमारतें ही बन रही हैं। जो नई मल्टीस्टोरी रिहायशी कॉलोनियां बसी हैं, उनमें से ज्यादातर में कम से कम ढांचे के मामले में एहतियाती उपाय किए गए हैं।

फिर भी कई जगहों पर बिल्डिंग कोड का पालन नहीं होता। खासकर कम ऊंची इमारतों के मामले में, और वह भी निजी निर्माण में। ऐसा उन जगहों पर भी हो रहा है, जो भूकंप के हिसाब से संवेदनशील मानी जाती हैं। समय आ गया है कि भूकंप को लेकर एक राष्ट्रीय योजना पर काम किया जाए। जन-जागरूकता अहम हिस्सा होना चाहिए। लोगों में अब भी भूकंप को लेकर कई तरह की गलतफहमियां हैं। बचाव के उनके तरीके गलत हैं। जापान की तरह हमारे यहां भी शिविर लगाकर या फिर स्कूलों में कुछ बेसिक ट्रेनिंग दी जा सकती है, जो बुरे वक्त में लोगों के काम आ सकती है।

पुलवामा : चीन की चुप्पी खतरनाक

पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद चीन की तरफ से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आई है, वह भारत को सतर्क करने वाली है। चीन इस मसले पर चुप्पी भी साधे है और निंदा का दिखावा भी कर रहा है। भारत को चीन के इस नापाक खेल को बेहद गंभीरता से लेना होगा। मसूद अजहर के मसले पर संयुक्त राष्ट्र में इस बार वह फिर से अड़ंगा लगाने की कोशिश में रहेगा, मगर भारत को तैयारी पुख्ता रखनी होगी।

पुलवामा आतंकी हमले को लेकर जब पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफभारत की लड़ाई में नैतिक प्रतिबद्धता जता रहा है वहीं चीन की चुप्पी न सिर्फ आतंकवाद पर उसकी दोहरी मानसिकता को रेखांकित करती है बल्कि उसकी निचले दर्जे की संवेहदहीनता को भी बयां करती है। दरअसल चीन द्वारा आतंकी हमले और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर की करतूतों की निंदा इसलिए नहीं की जा रही है क्योंकि वह पाक अधिकृत कश्मीर में अरबों डॉलर की परियोजनाएं चला रहा है। इनमें 1100 मेगावॉट की कोहाला परियोजना और 969 मेगावॉट की नीलम-झेलम परियोजना एवं 500 मेगावाट की चकोटी हटिया परियोजना तथा गिलगित-बाल्टिस्तान परियाजना प्रमुख मानी जाती हैं। चीन इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना के तहत 11 अरब डॉलर के खर्च से कराकोरम हाइवे पर पांच टनल का निर्माण भी कर रहा है, जिसे चाइना-पाक फ्रेंडशिप टनल नाम दिया गया है। चूंकि इस क्षेत्र में मसूद अजहर का आतंकी नेटवर्क बेहद मजबूत है और उसे पाक सरकार और आईएसआई का संरक्षण भी हासिल है, ऐसे में चीन मसूद अजहर का बचाव कर अपने कूटनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखना चाहता है। इसके बदले वह भारत में सेना के जवानों और लोगों का खून बहाता रहे, इससे उसे फर्क नहीं पड़ता।

पाक के दबाव में आतंकी मसूद अजहर को बचाना उसकी मजबूरी है। गौर करें तो आतंकवाद पर चीन का यह रवैया नया नहीं है। याद होगा अभी गत वर्ष पहले ही उसने मुंबई आतंकी हमले के गुनाहगार पाकिस्तानी आतंकी जकीउर रहमान लखवी की रिहाई पर पाक के विरुद्ध कार्रवाई संबंधी भारत के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में यह कहकर विरोध किया था कि भारत के पास लखवी के बारे में पर्याप्त सबूत नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने लखवी की रिहाई को अंतरराष्ट्रीय संस्था के प्रावधानों का उल्लंघन बताते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति से कार्रवाई की मांग की थी और इस पहल से पाकिस्तान पर दबाव बनना तय था। किंतु चीन ने उसका साथ देकर साबित कर दिया कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई को कमजोर करते रहना उसकी शीर्ष प्राथमिकता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि एक ओर चीन अपनी धरती पर मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अलगावाद पर नकेल कसने की आड़ में मुसलमानों पर कहर बरपा रहा है वहीं अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में शामिल आतंकियों पर प्रतिबंध का विरोध कर रहा है। वह भी तब जब अमेरिकी विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि पाक के संघ प्रशासित कबायली क्षेत्र (फाटा), पूर्वोत्तर खैबर पख्तुनवा और दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान क्षेत्र में कई आतंकी संगठन पनाह लिए हुए हैं।

चीन ने पुलवामा आतंकी हमले पर चुप्पी साधकर जता दिया है कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध जंग में उसकी भागीदारी दिखावटी है। अब भारत को चाहिए कि वह चीन के इस दोहरे रवैये को पूरी दुनिया के सामने उजागर करे और उससे पूछे कि आतंकवादियों का साथ देकर वह किस तरह आतंकवाद के विरुद्ध जंग में दुनिया की सहायता कर रहा है? उससे यह भी पूछा जाना चाहिए कि क्या उसके इस आचरण से आतंकी संगठनों के ढांचे और उनके आर्थिक स्रोतों को खत्म किया जा सकता है? यह स्वाभाविक है कि चीन इन सवालों का जवाब नहीं देने वाला, लेकिन भारत को समझना होगा कि चीन और पाकिस्तान की निकटता व प्रगाढ़ता उसके लिए शुभ संकेत नहीं है। चीन सिर्फ आतंकवाद के मसले पर ही नहीं बल्कि कश्मीर के सवाल पर भी पाकिस्तान के साथ है। सच तो यह है कि उसकी मंशा पाक के साथ मिलकर भारत को घेरने की है। ऐसे में भारत को भी चाहिए कि वह तिब्बत की स्वतंत्रता और वहां हो रहे मानवाधिकारों के हनन का मुद्दा उठाकर चीन का पर्दाफाश करे।

अगर भारत तिब्बत मसले को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की तीव्र आंच पर रखता है तो निःसंदेह चीन को भारत विरोधी नीति पर पुनर्विचार करना ही होगा। यह समझना होगा कि तिब्बत की स्वतंत्रता का मसला शुरू से ही चीन के लिए परेशानी का सबब रहा है, लेकिन पता नहीं क्यों भारत इस मसले को चीन के विरुद्ध हथियार बनाने की कोशिश नहीं करता। बदलते राजनीतिक परिदृश्य में भारत को समझना होगा कि चीन के बढ़ते दुस्साहस पर लगाम कसने के लिए अब उसे पूर्व की स्वीकारोक्ति से बंधे रहना उचित नहीं होगा। उसे 'जैसे को तैसा' की नीति पर आगे बढ़ना ही होगा। किसी से छिपा नहीं है कि दशकों से वह अरुणाचल प्रदेश पर गिद्ध दृष्टि जमाए हुए है। उसकी मंशा यहां पर प्रत्यक्ष या फिर परोक्ष रूप से अपना शासन स्थापित करना है। इसी रणनीति के तहत वह यहां के लोगों को वीजा देने से इंकार करता है। उधर जम्मू-कश्मीर में भी अपनी दुस्साहसपूर्ण गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। ध्यान देना होगा कि भारत को घेरने की मंशा से पाक उसे जम्मू-कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा समर्पित कर चुका है। चीन यहां लगातार अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। सच तो यह है कि पाकिस्तान और चीन की निकटता भारत के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण एशिया के लिए खतरनाक है। यह तथ्य सामने आ चुका है कि विगत कुछ वर्षों में इस्लामाबाद से चीन के उरुमची तक आवागमन में तेजी आई है। इन परिस्थितियों में आज जरूरत इसकी है कि भारत साम्राज्यवादी चीन की भारत विरोधी नीतियों को पूरी दुनिया के सामने उजागर करे और चीन विरोधी देशों को अपने पक्ष में लामबंद करे।

वैसे, कूटनीतिक मामलों की गहरी समझ रखने वाले अधिकांश जानकार मानते हैं कि कोई राष्ट्र किसी दूसरे के सहयोग में तब तक खड़ा नहीं होता जब तक कि उसमें उसके अंतर्निहित हित शामिल न हों। फिर चीन जैसा देश तो ऐसा कभी नहीं कर सकता क्योंकि वह राष्ट्रीय सुरक्षा व कूटनीतिक संबंधों के मामले में जोखिम नहीं लेता। मसूद के मामले पर चीन का रुख बहुत लोगों को भले ही अजीब लग रहा हो लेकिन इसके पीछे उसके बड़े हित हैं। मसूद अजहर को बचाना पाकिस्तान को लेकर चीनी कूटनीति का अहम हिस्सा है। इस मामले पर चीन काफी आगे की सोच कर चल रहा है। उसे पता है कि हाफिज सईद के बाद अगर भारत मसूद अजहर को भी संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल करवाने में सफल हो गया तो वह पाक को आतंकवाद प्रायोजित राष्ट्र घोषित कराने के अपने लक्ष्य के काफी करीब पहुंच जाएगा। ऐसी स्थिति में अमेरिका सहित पश्चिमी देश पाक पर तमाम प्रतिबंध लगा देंगे। ये प्रतिबंध इस्लामाबाद के लिए तो बहुत अधिक राजनीतिक व आर्थिक मुश्किलें खड़ी कर ही देंगे, इनसे बीजिंग पर भी खासा असर पड़ेगा क्योंकि चीन को पाकिस्तान के सबसे बड़े सहयोगी के रूप में देखा जाता है।

बहरहाल, भारत को चीन के इस नापाक खेल को बेहद गंभीरता से लेना होगा। आतंकी हमले पर उसका दोहरा रवैया कई शंकाओं को जन्म दे रहा है। मसूद अजहर के मसले पर संयुक्त राष्ट्र में इस बार वह फिर से अड़ंगा लगाने की कोशिश में रहेगा, मगर भारत को तैयारी पुख्ता रखनी होगी।

रीता सिंह
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

आपदा पर किसी का वश नहीं है। फिर भी हर घटना से सरकार ने सबक लिया है और काम किया जा रहा है। भूकंप से निपटने की भी सरकार की पूरी तैयारी है।

किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

नेपाल के बाद भारत में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बड़े जानमाल का नुकसान तो नहीं हुआ, मगर हमारी चिंताओं को और बढ़ा गया। हम अब सतर्क रहें।

योगेंद्र यादव, विचारक

सत्यार्थ

तिलक का जीवन-दर्शन

एक बार बाल गंगाधर तिलक अपने कुछ मित्रों से बात कर रहे थे। उन दिनों उन्होंने वकालत पास की थी। एक मित्र बोला- तिलक, वकालत तो तुमने पास कर ली है, किंतु आगे के लिए क्या सोचा है? क्या अब सरकारी नौकरी करोगे या किसी कोर्ट-कचहरी में वकालत। मित्र की बात सुनकर तिलक बोले- अब तुमने पूछ ही लिया है, तो सुन लीजिए। मुझे ऐसे पैसे की जरूरत नहीं, जो मुझे सरकार का गुलाम बनाकर रखे। मैं ऐसी वकालत भी नहीं करना चाहता, जहां दिन में कई बार झूठ बोलना पड़े। बात आई-गई हो गई और सभी अपने कामों में लग गए। एक दिन उनकी मित्र मंडली को यह पता चला कि तिलक ने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया है। वेतन है तीस रुपए महीना। यह सुनकर उस मित्र को सबसे ज्यादा आश्चर्य हुआ, जिसने कुछ समय पहले उनका मन जानना चाहा था। वह सीधे तिलक के पास पहुंचा व बोला- यह तुमने क्या किया तिलकजी, वकालत की डिग्री लेकर शिक्षक क्यों बने? क्या तुम शिक्षकों की आर्थिक स्थिति के बारे में नहीं जानते? तिलक, जब तुम अंतिम सांस लोगे, तब तुम्हारे अंतिम संस्कार के लिए भी घर में कुछ नहीं होगा। अब भी वक्त है, संभलने का। कोई दूसरा काम शुरू करो। वकील नहीं तो सरकारी अधिकारी ही बन जाओ, किसी विभाग में। मित्र की बात सुनकर तिलक मुस्कराते हुए बोले- मैंने जो पेशा चुना है, वह बहुत पवित्र है। रही अंतिम समय की बात, तो मेरे दाह संस्कार का प्रबंध नगरपालिका कर देगी। मैं इसकी चिंता क्यों करूं। तिलक की बात सुनकर मित्र हैरान रह गया। उसने आज तक संतुष्टि के ऐसे भाव किसी व्यक्ति के चेहरे पर नहीं देखे थे। वह मन ही मन तिलक के प्रति श्रद्धा से भरकर अभिभूत हो गया।

रेनू सैनी

मेजबान ने तीसरे और अंतिम वनडे में बांग्लादेश को 88 रन से हराया

साउदी की घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड की क्लीन स्वीप

डुनेडिन, (एजेंसी)। टिम साउदी (65 रन देकर 6 विकेट) की धारदार गेंदबाजी और अनुभवी रॉस टेलर की 69 रन की शानदार अर्धशतीय पारी की बदौलत मेजबान न्यूजीलैंड ने बुधवार को यूनीवर्सिटी ओवल मैदान में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर ली। न्यूजीलैंड ने हेनरी निकोल्स (64) और रॉस टेलर (69) के अर्धशतकों तथा उनके बीच 92 रन की शानदार साझेदारी और कप्तान टॉम लाथम (59) रन की बेहतरीन पारी की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 330 रन बनाकर बांग्लादेश के सामने पहाड़ जैसा लक्ष्य रख दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम शब्बीर रहमान (102) की घुआंधार शतकीय पारी के बावजूद 47.2 ओवर में 242 रन पर सिमट गई। साउदी ने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों को मात्र तीन रन पर पवेलियन भेज कर अपनी टीम का काम आसान कर दिया। साउदी ने रहमान को अपनी गेंद पर कैच करने के अलावा निचले क्रम में दो विकेट भी लिए। साउदी को मैन ऑफ द मैच और न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्तिल को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। बांग्लादेश ने अपने पांच विकेट 61 पर गंवा दिए थे लेकिन रहमान और मोहम्मद सैफुद्दीन ने छठे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की। रहमान ने 110 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्के की मदद से 102 रन और सैफुद्दीन ने 63 गेंदों में चार चौकों की मदद से 44 रन बनाए। रहमान आखिरी बल्लेबाज के रुप में टीम के 242 के स्कोर पर आउट हुए। रहमान ने मेहदी हसन (37) के साथ आठवें विकेट के लिए 67 रन जोड़े।

रॉस टेलर ने अच्छे शाट्स खेलकर टीम को संभाला

रॉस टेलर ने कुछ अच्छे शाट्स खेले और टीम को संभाले रखा। 69 रन के स्कोर पर खेल रहे टेलर मुस्तफिजुर रहमान की गेंद पर सौम्य सरकार को अपना कैच थमा बैठे को पवेलियन लौट गए। टेलर ने अपनी पारी में 82 गेंदो में सात चौकों की मदद से 69 रन बनाए। टेलर अपनी इस पारी के साथ ही न्यूजीलैंड के वनडे में शीर्ष स्कोरर बन गए। उन्होंने स्टीफन फ्लेमिंग के 8007 रन को पीछे छोड़ दिया। कप्तान टॉम लाथम 59 और जेम्स नीशम 37 रन बनाकर आउट हुए जबकि कॉलिन डी मुनरो 37 और मिशेल सेंटनर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

टेलर ने फ्लेमिंग को पीछे छोड़ा

दाएं हाथ के बल्लेबाज रॉस टेलर बुधवार को न्यूजीलैंड के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में शीर्ष स्कोरर बन गए। उन्होंने पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग के 8007 वनडे रनों को पीछे छोड़ दिया। टेलर ने बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मैच में जैसे ही 64 रन बनाए वह न्यूजीलैंड के लिए वनडे में सर्वश्रेष्ठ रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। टेलर इसके साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 8000 रन वाले दूसरे किवी बल्लेबाज भी बन गए। टेलर एकदिवसीय क्रिकेट में चौथे सबसे तेज 8000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

बांग्लादेश की टीम की बेहद खराब शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसे पहले ओवर में तमीम इकबाल और सौम्य सरकार के रुप में तगड़ा झटका लगा। दोनों का विकेट तेज गेंदबाज साउदी ने लिया। इसके बाद बंगलादेश की टीम पूरी तरह ढेर हो गई और आधी टीम मात्र 61 रन पर पवेलियन लौट गई। हालांकि शब्बीर रहमान ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 102 रन की शतकीय पारी खेली लेकिन उनके आउट होने के बाद बंगलादेश की पूरी टीम 47.2 ओवर में 242 के स्कोर पर ऑल आउट हो गई।

हरमनप्रीत चोट के कारण इंग्लैंड सीरीज से बाहर

मुंबई। भारतीय महिला वनडे क्रिकेट टीम की उपकप्तान हरमनप्रीत कौर टखने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गयी हैं। यह सीरीज मुंबई में खेली जानी है। हरमनप्रीत ने मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास किया था लेकिन वह बुधवार को अभ्यास के लिए नहीं उतरीं। टीम में उनकी जगह गेंदबाजी आलराउंडर हरलीन देओल लेंगी जो इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ सोमवार को अभ्यास मैच में बोर्ड अध्यक्ष एकादश टीम की तरफ से खेली थीं। समझा जाता है कि हरमनप्रीत को यह चोट कुछ दिन पहले पटियाला में लगी थी जहां उन्होंने कोच मुनीश बाली के साथ अभ्यास किया था। हरमनप्रीत ने मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम के साथ क्षेत्ररक्षण सत्रों में हिस्सा लिया था ताकि वह देख सकें कि उनकी दौड़ कितनी ठीक है। स्कैन से उनके बाएं टखने में चोट का पता चला है। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में विचार विमर्श के लिए बेंगलुरु जाएंगी जहां उनकी चोट की गंभीरता का आकलन किया जाएगा।

पैरा-एथलीट हिमांशु को वादे मिले लेकिन मदद नहीं

नई दिल्ली। वर्ष 2014 में 225 किलोमीटर दौड़कर और 2016 में साइकिल से 1500 किलोमीटर की दूरी तय कर रिकॉर्ड बनाने वाले पैरा-एथलीट हिमांशु कुमार का सपना पूरे भारत में साइकिल पर 10,500 किलोमीटर की दूरी तय करने का है, लेकिन उनके इस सपने में धन की कमी सबसे बड़ी बाधा बन रही है। हिमांशु तमाम कोशिशों के बाद भी इस समस्या को दूर नहीं कर पा रहे। वह 24 फरवरी को होने वाली आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस नई दिल्ली मैराथन-2019 में पांच किलोमीटर कटेगरी में भी हिस्सा लेंगे। हिमांशु 15 वर्ष की उम्र में दुर्घटना का शिकार हुए थे जिसमें उन्होंने अपना बायां पैर खो दिया था। इसके बाद वह अपने बाएं पैर में प्रोस्थेटिक ब्लेड का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने सितंबर 2014 में आगरा से दिल्ली की 225 किलोमीटर तक की दूरी को दौड़कर 21 दिनों में तय किया था।

शाकीन ने दक्षिण अफ्रीका को दिए चार झटके

त्रिवेंद्रम। ऑफ स्पिनर ऋतिक शौकीन (50 रन पर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम चार दिवसीय क्रिकेट मैच के पहले दिन बुधवार को पहली पारी में 197 रन पर ढेर कर दिया। भारत अंडर-19 टीम ने इसके जवाब में दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट खोकर 95 रन बना लिए हैं और वह पहली पारी में 102 रन से पीछे है। भारतीय टीम की तरफ से वत्सल ने 23 और यशस्वी जायसवाल ने 24 रन बनाये जबकि दिव्यांश 44 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम की तरफ से मैथ्यू मोंटगोमरी ने 57 और ब्रायस पार्सन्स ने 58 रन बनाए। भारतीय टीम की तरफ से शौकीन ने 18.5 ओवर में 50 रन देकर चार विकेट लिए जबकि अंशुल कम्बोज और साबिर खान को दो-दो विकेट मिले।

अमित ने पदक जीतकर पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

स्ट्रैंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट में कजाखिस्तान के तेमिरतास जुसुपोव को हराकर मुक्केबाजी में जीता लगातार दूसरा स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रतिष्ठित स्ट्रैंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट में जीते स्वर्ण पदक को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद सीआरपीएफ के जवानों को भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल ने समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सैन्य बलों से संबंद्ध होने के कारण उन्हें इस घटना से अधिक पीड़ा पहुंची थी। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पंघाल ने बुल्गारिया के सोफिया में मंगलवार की रात को फाइनल में कजाखिस्तान के तेमिरतास जुसुपोव को हराकर यूरोप के इस सबसे पुराने मुक्केबाजी टूर्नामेंट में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

वह इस टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र पुरुष मुक्केबाज रहे। भारतीय सेना के इस 23 वर्षीय मुक्केबाज ने बुधवार को कहा कि टूर्नामेंट के दौरान पुलवामा हमला उनके दिमाग में घूमता रहा। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। यह हमला पिछले सप्ताह उस दिन हुआ था जिस दिन भारतीय मुक्केबाजी टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिये रवाना हुई थी। पंघाल ने फोन पर कहा कि मैं खुद आर्मी से हूं, दर्द इसलिए थोड़ा ज्यादा था। मैं पदक जीतने के लिये बेताब था क्योंकि मैं इसे पुलवामा में अपनी जान गंवाने वाले नायकों को समर्पित करना चाहता था।

सीआरपीएफ के शहीद जवानों को पंघाल ने समर्पित किया पदक

उन्होंने कहा कि यहां पहुंचने के बाद जब मुझे हमले की खबर मिली तो तभी से यह बात मेरे दिमाग में थी। भारत ने सोफिया में तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक सहित कुल सात पदक जीते। महिलाओं में स्वर्ण पदक जीतने वाली निखत जरीन (51 किग्रा) ने भी अपना पदक सीआरपीएफ जवानों को समर्पित किया। पंघाल ने कहा कि मैं टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवार वालों के संपर्क में था और उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे पुलवामा शहीदों के सम्मान में पदक जीतना होगा। इस विचार से मैं दोगुना प्रेरित था।

49 किग्रा में पंघाल का आखिरी टूर्नामेंट

पंघाल ने इसके साथ ही साफ किया कि 49 किग्रा में यह उनका आखिरी टूर्नामेंट था। उन्होंने कहा कि मेरे पास 49 के बजाय 52 किग्रा में भाग लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि तोक्यो ओलंपिक 2020 में 49 किग्रा नहीं है और मैं ओलिंपिक में खेलना चाहता हूं। यह 49 किग्रा में मेरा आखिरी टूर्नामेंट था और अगर मुझे एशियाई चैंपियनशिप के लिये चुना जाता है तो मैं 52 किग्रा में भाग लूंगा। यह मेरे लिए काफी मुश्किल होगा क्योंकि 49 किग्रा भार वर्ग में मैं सहज महसूस करता था। यह आसान नहीं होगा लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं इसे हासिल करने में सफल रहूंगा।

वर्ल्ड नंबर एक बनने के बाद ओसाका की पहली हार

महिला टेनिस

दुबई। जापान की नाओमी ओसाका को दुबई चैंपियनशिप में हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर एक बनने के बाद ओसाका की यह पहली हार है। टूर्नामेंट के दूसरे दौर में फ्रांस की क्रिस्टीना मलाडेनोविक ने ओसाका को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से मात दी। फ्रेंच खिलाड़ी ने 2 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका को शिकस्त देने के लिए केवल 1 घंटे और 6 मिनट का समय लिया। अपने कोच साशा बाजिन से अलग होने के बाद ओसाका का यह पहला मैच था। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं समझ पा रही कि मैं किस स्थिति में हूं क्योंकि पिछले साल मैं इस रैंकिंग के आसपास भी नहीं थी। लोगों ने मुझ पर ध्यान नहीं दिया था, जिस कारण मैं बहुत सहज थी। मुझे लोगों के ध्यान का केंद्र होना अच्छा नहीं लगता। यह थोड़ा मुश्किल है। ओसाका को प्रतियोगिता के पहले दौर में बाई मिला था। मलाडेनोविक के खिलाफ उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और उन्होंने सेकंड सर्व पर 27 में से 5 जबकि पहले सर्व पर 22 में से 12 अंक हासिल किए।

एरोफ्लोट शतरंज टूर्नामेंट में कृष्णन होंगे शीर्ष भारतीय

मॉस्को(रूस)। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट में गिने जाने वाले एरोफ्लोट ओपन में इस बार भारतीय चुनौती का प्रतिनिधित्व ग्रांड मास्टर कृष्णन शशिकिरण (2678) करते हुए नजर आएंगे वैसे प्रतियोगिता में उन्हे 11 वी वरीयता दी गयी है। प्रतियोगिता में शीर्ष वरीय चीन के वे यी (2733) है। दूसरी वरीयता मेजबान रुस के व्लादिमीर फेड़ोसीव को दी गई है जबकि तीसरे वरीय खिलाड़ी चीन के वाङ हाऊ है। प्रतियोगिता के स्तर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते है की इसमें 22 देशो के 101 चुनिन्दा खिलाड़ियों में 71 खिलाड़ी ग्रांडमास्टर है। 21 इंटरनेशनल मास्टर है। बात करे अन्य भारतीय खिलाड़ियों की तो इसमें भारत से कुल 25 खिलाड़ी का दल भाग ले रहा है जो मेजबान रूस 23 खिलाड़ियों के दल से दो खिलाड़ी ज्यादा है। शीर्ष 20 में भारतीय खिलाड़ियों में 14 वे वरीय एसपी सेथूरमन (2651), 18 वे वरीय सूर्या शेखर गांगुली (2634) शामिल है। अन्य भारतीय ग्रांड मास्टरों में अरविंद चितांबरम (2601), सुनील नारायणन (2593), निहाल सरीन (2578), वैभव सूरी (2575) ,श्री नाथ नारायण (2572), मुरली कार्तिकेयन (2560) , ललित बाबू (2556), आर्यन चोपड़ा (2540) अभिमन्यु पौराणिक (2538) शामिल है साथ ही दुनिया के दूसरे सबसे युवा ग्रांड मास्टर डी गुकेश और दुनिया के चौथे सबसे युवा ग्रांड मास्टर आर प्रग्गानंधा पर भी भारत की नजर रहेगी।

मनदीप ने जीता गुरु मुन्नी गोल्ड कप कुश्ती खिताब

नई दिल्ली। बहादुरगढ़ के हवा सिंह अखाड़े के मनदीप सिंह ने छत्रसाल स्टेडियम के पवन को रोमांचक मुकाबले में पराजित कर गुरु मुन्नी की 43वीं पुण्य तिथि पर आयोजित 15वें गुरु मुन्नी गोल्ड कप कुश्ती का खिताब जीत लिया। पंचकुइया स्थित गुरु मुन्नी अखाड़े में हुए इस दंगल में 85 किलो में इंद्रजीत अखाड़े के नेत्रपाल ने दरियापुर के जितेश को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया।

74 किलो में छत्रसाल स्टेडियम के विकास कुमार ने हवा सिंह के मोहित को कड़े मुकाबले शिकस्त देकर ख़िताब पर अपना कब्जा जमाया। 66 किलो में अशोक कुमार ने सुनील को हराकर खिताब जीता। 60 किलो में जसोदा अखाड़े के अमित कुमार, 55 किलो में छत्रसाल स्टेडियम के अमित सिंह, 50 किलो में गुरु मुन्नी अखाड़े के अनिकेत शर्मा, 45 किलो में भी गुरु मुन्नी अखाड़े के कन्हैया ने अपना जलवा दिखते हुए पहला स्थान हासिल किया।

40 किलो में योगेश्वर दत्त अखाड़े के अमित कुमार, 35 किलो में इसी अखाड़े के प्रदीप, 30 किलो में योगेश्वर दत्त के रोहित और 25 किलो में भी योगेश्वर दत्त के मोंटी विजेता रहे।

इससे पूर्व दिल्ली के दिवंगत खेल पत्रकार रोशन सेठी को सभी पहलवानों ने श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर दंगल के संचालक महावीर भाई ने कहा कि वह रोशन सेठी के योगदान को जीवन में कभी नहीं भुला पाएंगे। सांसद मीनाक्षी लेखी ने पुलवामा में शहीद हुए सैनिको को श्रद्धांजलि दी। विजेता पहलवानों को विधायक विशेष रवि और निगम पार्षद बबिता भरेजा ने पुरस्कृत किया।

भारत अंडर-19 ने द. अफ्रीका को 197 रन पर समेटा

तिरुवनन्तपुरम। ऑफ स्पिनर ऋतिक शौकीन की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 को पहले युवा टेस्ट क्रिकेट मैच के शुरुआती दिन बुधवार को यहां 197 रन पर आउट कर दिया।

जहीर और प्रवीण ने लांच की फेरीट क्रिकेट बैश लीग

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों जहीर खान और प्रवीण कुमार ने फेरिट क्रिकेट बैश लीग (एफसीबी) लांच की है जो एमेच्योर प्रतिभाओं को तराश कर उन्हें अपने सपने को पूरा करने का मौका देगी। जहीर और प्रवीण ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में इस क्रिकेट लीग के माध्यम से क्रिकेट प्रेमियों को क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने के सपने को पूरा करने का रास्ता बताया। छात्रों ने कैंपस में अपने पसंदीदा क्रिकेट खिलाड़ियों जहीर और प्रवीण से मुलाकात की, जहां उन्होंने छात्रों से राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का मौका मिलने की अपनी कहानी को साझा किया। दिल्ली से चुने हुए खिलाड़ियों को दिल्ली की तरफ से इस अनोखी क्रिकेट लीग में खेलने का मौका मिलेगा। एफसीबी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अनोखी लीग है, जो उम्र के आधार पर आयोजित नहीं होती, इसमें 16 टीमों के लिए खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए ट्रायल होते हैं और फिर ये टीमें एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती हैं। 15 वर्ष से अधिक आयु वाले दिल्ली के एमेच्योर क्रिकेट प्रेमियों को इस रोमांचक प्रयास का हिस्सा बनने के लिए यह एक शानदार मौका मिल रहा है।

पाकिस्तानी निशानेबाजों की भागीदारी पर असमंजस

नई दिल्ली। पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के निशानेबाजों की भारत की मेजबानी में डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 23-28 फरवरी तक होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में भागीदारी पर लगातार संशय बना हुआ है। प्रतियोगिता की आधिकारिक शुरुआत गुरुवार को केंद्रीय खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा उद्घाटन किए जाने के साथ हो जाएगी। शुक्रवार को अभ्यास रहेगा जबकि शनिवार से मुकाबले शुरु हो जाएंगे। विश्व कप की जानकारी देने के लिए आयोजन सचिव और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव डीवी सीतारामा राव तथा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज की प्रशासक मंजुश्री दयानंद बुधवार को रेंज में संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। पाकिस्तानी निशानेबाजों की भागीदारी और उन्हें वीजा मिलने के संदर्भ पर पूछे जाने पर राव भी कुछ स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर आईसीसी की नजदीकी नजर

लंदन। पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों पर घातक आतंकी हमले के बाद भारत में यह मांग लगातार तेज होती जा रही है कि टीम इंडिया को इंग्लैंड में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में पाकिस्तान के साथ अपना मैच नहीं खेलना चाहिए। लेकिन आईसीसी को पूरी यकीन है कि दोनों टीमों के बीच 16 जून को मैनचेस्टर में यह मुकाबला खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान में स्थिति पुलवामा की घटना के बाद लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है। विश्व कप में 100 दिन का समय बाकी है और विश्व कप के आयोजकों की सांसें इस मुकाबले को लेकर अटकी हुई है।

लिवरपूल ने घरेलू मैदान पर बायर्न से खेला ड्रॉ

चैम्पियंस लीग

लिवरपूल,(एजेंसी)। लिवरपूल ने एनफील्ड स्टेडियम में यूरोपीय चैम्पियंस लीग राउंड ऑफ-16 के पहले लेग के मुकाबले में बायर्न म्यूनिख के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला। घरेलू मैदान पर सभी प्रतियोगिताओं में इंग्लिश क्लब को पिछले 20 मुकाबलों में एक भी हार नहीं झेलनी पड़ी है। दूसरे लेग का मुकाबला 13 मार्च को बायर्न के घरेलू मैदान एलियांज एरेना में खेला जाएगा। लिवरपूल के मख्य कोच जुर्गन क्लॉप अपने करियर में 30 बार बायर्न का सामना कर चुके हैं लेकिन पहली बार उनकी किसी टीम ने जर्मन क्लब के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला है। मैच के पहले मिनट से ही दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। लिवरपूल ने जहां अधिक खिलाड़ियों के साथ अटैक किया तो वहीं मेहमान टीम के खिलाड़ियों ने डिफेंस में बेहतरी खेल दिखाया। पहले हाफ में गोल करने का सबसे बेहतरीन मौका सादियो माने को मिला लेकिन वह छह गज के बॉक्स के अंदर से गेंद को गोल में नहीं डाल पाए। मैच के 28वें मिनट में मेहमान टीम के खिलाड़ी जोशुआ किमिख को पीला कार्ड मिला जिसके कारण वह दूसरे लेग में नहीं खेल पाएंगे। मेजाबन टीम ने दूसरे हाफ में भी अपने आक्रामक खेल जारी रखा।

डयूनेडिन : बांग्लादेश की पारी झकझोरने वाली साउथी (मध्य) को बधाई देते साथी खिलाड़ी।

राज्य में एसटी बस की हड़ताल से लाखों यात्री परेशान हो गए

रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की लंबी लाइनें : निजी वाहनों ने किराया दोगुना करके यात्रियों को लूटा

सूरत । एसटी निगम के राज्यभर के कर्मचारी गत दिन आधी रात से हड़ताल पर चले जाने से ८००० से ज्यादा बस के पहिये थम गए हैं, जिसकी वजह से नौकरी-धंधा अन्य प्रसंगों पर एसटी बस में यात्रा करते लाखों यात्री परेशान हो गए । निजी वाहन संचालकों ने यात्रियों की मजबूरी का लाभ लेकर किराया दोगुना करके यात्रियों को लूटा । इतना ही नहीं, एसटी की हड़ताल की वजह से हजारों यात्री रेलवे-ट्रेन की तरफ मुड़ गये, रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी लाइनें लग गई थी । कुछ ही दिनों में, एसटी निगम के कर्मचारियों की हड़ताल और एसटी व्यवहार ठप हो जाने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ । विशेष करके ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए । गांव की जनता सबसे ज्यादा परेशान हो गई । अहमदाबाद सहित राज्य के १६ से ज्यादा डीविजन के ४५ हजार से ज्यादा कर्मचारियों ने गुरुवार को मास सीएल का ऐलान देकर सामूहिक हड़ताल पर चले गये, जिसकी वजह से राज्यभर की ८ हजार से ज्यादा एसटी बसों के पहिये थम गए हैं, पूरे राज्य में एसटी व्यवहार ठप हो गये । एसटी गुरुवार की हड़ताल की वजह से करीब २५ लाख से ज्यादा यात्री परेशान हो गए । विशेष करके विद्यार्थियों, धंधा-रोजगार करते लोग, अपडाउन वाले और मासिक पास वाले कर्मचारियों सहित के लाखों लोग गुरुवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा । मजदूर महाजन, स्टेट ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन, एसटी कर्मचारी मंडल, इन्टुक और भारतीय मज दूर संघ की तरफ से हुई संकलन समिति द्वारा यह हड़ताल का ऐलान दिया गया है ।

आज के आंदोलन में राज्यभर के ४५ हजार कर्मचारी शामिल होने का समिति ने दावा किया है । अहमदाबाद शहर-ग्रामीण सहित के राज्यभर के ९२ फीसदी कर्मचारी गुरुवार को मास सीएल पर है, जि समें ड्राइवर-कंडक्टर सहित के सभी कर्मचारी छुट्टी पर है । इस मामले में राज्य एसटी कर्मचारी

महामंडल के प्रमुख सतुभा गोहिल ने बताया कि यात्रियों को होने वाली परेशानी के लिए हमें दु:ख है लेकिन एसटी कर्मचारियों के लंबे समय से पेंडिंग रहे प्रश्नों का सरकार ने अभी तक समाधान नहीं किया है । अभी भी यदि मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा । उन्होंने हड़ताल चालू रखने की चेतावनी दी । गुरुवार सुबह से ही एसटी बस स्टेशन पर यात्रा के लिए पहुंच गये यात्रियों को हड़ताल की जानकारी मिलने से मुश्केली में आ गये उन्होंने अन्य निजी वाहनों में यात्रा करने का विकल्प पसंद करना पड़ा ।

हमले के विरोध में गुजरात में कश्मीर टूर का बहिष्कार

अहमदाबाद । पुलवामा में सीआरपीएफ पर हुए आतंकी हमले के विरोध में गुजरात के टूर व ट्रैवल्स वालों ने कश्मीर टूर का बहिष्कार किया है । इससे उनको करोड़ों रुपयों का नुकसान होगा । लेकिन पर्यटकों की सुरक्षा और कश्मीर में देशविरोधी गतिविधियों के खिलाफ उन्हों ने यह फैसला लिया है । सौराष्ट्र ट्रावेल एजेंट एसोसिएशन के सेक्रेटरी अभिनव पटेल ने बताया कि पुलवामा में हुए आतंकी हमले में हमारे ४२ जान शहीद हो गये हैं । जवानों की जान अमूल्य है । जब तक कश्मीर में आतंकी हमले बंद नहीं होंगे तब तक सौराष्ट्र के २०० से अधिक टूर व ट्रावेल्स एजेंट पर्यटकों को कश्मीर के टूर पर नहीं ले जायेंगे । उन्होंने बताया कि ट्रवेल्स एसोसिएशन की बैठक में कश्मीर १७० ट्रावेल एज ेंट और ७० से अधिक रेलवे के एज ेंटो ने यह कश्मीर टूर का बहिष्कार किया है । लोग गर्मियों की छुट्टियों में कश्मीर, कुलु मनाली, शिमला सहित के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर जाना पसंद करते है । केवल सौराष्ट्र से पर्यटकों से ही सालाना ३०० करोड़ का बिजनेस होता है । लेकिन शहिदों की शहादत के सामने यह कुछ भी नहीं है । उन्होंने बताया कि सौराष्ट्र ट्रावेल्स एसोसिएशन के इस फैसले बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विभाग को बड़ा झटका लगा है । कश्मीर के कुछ एजेंटों ने उनसे संपर्क करके एसोसिएशन के फैसले पर फिर से विचार करने की बात की है और टूर के दौरान पर्यटकों को विशेष सुरक्षा देने का भी वादा किया है । हालाकि उन्होंने कश्मीरी एजेंटों की बात मानने से साफ मना कर दिया है । गौरतलब है कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद देशभर में गुस्सा है ।

खेल जगत से लेकर बोलीवुड तथा व्यापारियों से पाकिस्तान से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं रखने का ऐलान किया है ।

मुख्यमंत्री ने की हड़ताल खत्म करने की अपील

अहमदाबाद । गुरुवार से एसटी कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को हड़ताल पर चले जाने से राज्यभर के यात्री परेशान हो गए । विशेष करके विद्यार्थियों, बीमार-मरीजों और नौकरी-व्यापारी वर्ग सबसे ज्यादा परेशानी का शिकार हुए । राज्यभर के यात्रियों की हालत बदतर और दयनीय परिस्थिति को देखकर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने एसटी कर्मचारियों को हड़ताल खत्म करने की अपील की और बताया कि, राज्य के निर्दोष लोग इस हड़ताल

की वजह से भयंकर परेशानी का सामना कर रहे हैं । अब एसटी निगम के कर्मचारियों को हड़ताल वापस ले लेना चाहिए । हालांकि, एसटी कर्मचारी यूनियन की तरफ से मुख्यमंत्री की तरफ से की गई यह विनंती को नहीं माना और बताया कि, पहले कर्मचारी की लंबित मांगों का समाधान लाओ इसके बाद ही बात । हालांकि, राज्य सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने सातवें वेतन आयोग के मुद्दे पर यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक और चर्चा करने का आश्वासन दिया है । हालांकि, फिर भी यूनियन ने अपनी हड़ताल चालू रखी । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के बयान बाद एसटी कर्मचारियों की संकलन समिति की बैठक हुई थी । जिसमें एसटी के सभी यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित हुए । बैठक में जहां तक कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया जाएंगा तब तक हड़ताल वापस नहीं लेने का निर्णय किया गया । सरकार जहां तक मांग नहीं स्वीकार करे वहां तक अनिश्चितकालीन हड़ताल बरकरार रखा जाएगा । यदि सरकार मांग नहीं स्वीकार करे तो आगामी दिनों में एसटी के कर्मचारी गांधीनगर की तरफ कूच करे ऐसी तैयारी कर दी गई है । इस हड़ताल मामले में निर्दोष लोगों विशेष करके गांव की जनता को परेशानी होने से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने बताया कि, राज्य सरकार की पॉलिसी के आधार पर ही बोर्ड निगम को नुकसान होता हो इसके वेतन के लिए कर्मचारियों को प्रशासन के साथ मिलकर योग्य समाधान लाना चाहिए ।

अब शिक्षकों ने सरकार को हड़ताल की चेतावनी दी

अहमदाबाद । आज गुज रात एसटी निगम के कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से राज्य के लाखों यात्री परेशान हो गये हैं और सरकार उनको मनाने के लिए सभी प्रयास में लगी हुई है तब राज्य के प्राथमिक शिक्षक भी हड़ताल के मूड में है और उनकी नौकरी लगातार गिनने सहित की मांगों को लेकर शुक्रवार को सामूहिक हड़ताल की चेतावनी देने से राज्य सरकार की परेशानी बढ़ गई है । शुक्रवार को राज्य के एक हजार से ज्यादा शिक्षक विधानसभा का घेराव करने के लिए पहुंचेंगे तब राज्य सरकार ने गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ शाम को एक बैठक का आयोजन करके समझाने का प्रयास शुरू किया गया । हालांकि, सरकार की तरफ से योग्य आश्वासन मिलेगा तो मामला शांत हो जाएगा, नहीं तो शुक्रवार से शिक्षक भी मास सीएल पर उतरकर हड़ताल करेंगे । वर्ष १९९७ से लगातार सिनियोरिटी गिनने की प्राथमिक शिक्षकों की वर्षों पुरानी मांग सहित के लंबित प्रश्नों का अभी समाधान नहीं आने से गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा पिछले कई दिनों से जिला-तहसील स्तर पर धरना सहित के विरोध कार्यक्रम आयोजित किया जाता था लेकिन फिर भी सरकार का ध्यान नहीं जाने से अब संघ द्वारा शुक्रवार से हड़ताल के आक्रामक मूड की घोषणा की थी । शुक्रवार को राज्य के सवा दो लाख से ज्यादा प्राथमिक शिक्षक हड़ताल पर जाए ऐसी संभावना है । इसके अलावा १० हजार से ज्यादा शिक्षक गांधीनगर पहुंचकर विधानसभा का घेराव करे यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । बारबार की पेशकश होने के बावजूद भी शिक्षकों के लंबित प्रश्नों का समाधान नहीं आने से यह आंदोलन की चेतावनी दी गई है । इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रमुख दिग्विजय सिंह जाडेजा ने बताया कि, गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ वर्ष १९९७ से फीक्स वेतन के शिक्षकों को लगातार गिनने की मांग के साथ शुक्रवार को गुज रात के सवा दो लाख शिक्षक मास सीएल पर जाएंगे ।

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने दरियापुर दरवाजे के पास सरदार पटेल स्टेच्यू के मुद्दे पर कांग्रेस के परेश धानाणी के बयान को लेकर प्रदर्शन किया गया ।

गुजरात के किसानों का सब्जियां पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला

अहमदाबाद। पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 44 जवानों की शहादत को लेकर गुजरात समेत देशभर में जबर्दस्त आक्रोश है। बीते दिन देश के अनेक किसानों ने टमाटर पाकिस्तान निर्यात नहीं करने से इंकार कर दिया था7 अब गुजरात के किसानों ने भी पाकिस्तान को टमाटर नहीं बेचने का फैसला किया है। गुजरात वेजिटेबल एक्सपोर्ट यूनियन के प्रमुख अहमद पटेल ने बताया कि अहमदाबाद एपीएमसी ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों को खत्म करते हुए टमाटर और मिर्ची पाकिस्तान को नहीं बेचने का फैसला किया है। टमाटर और मिर्ची की 150 से ज्यादा ट्रक आज गुजरात से पाकिस्तान जानेवाले थे, जिन्हें रोक दिया गया है। गुजरात के किसान घाटा उठाने को तैयार हैं, परंतु पाकिस्तान को सब्जी बेचने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है पाकिस्तान में गुजरात के टमाटर और मिर्ची की बड़ी मांग है7 25 ट्रक टमाटर, 15 ट्रक मिर्ची के अलावा गुवार फली और आलू का बड़े पैमाने पर पाकिस्तान निर्यात किया जाता है। लेकिन अब इन वस्तुओं को पाकिस्तान नहीं भेजने का गुजरात के किसानों ने फैसला कर लिया है और आज सब्जियों का निर्यात बंद कर दिया है। पाकिस्तान को सब्जियों की निर्यात बंद कर किसानों ने सरकार को स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में हम आपके साथ हैं।

बोर्ड परीक्षा में CCTV के अलावा ऑडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य

अहमदाबाद । गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी मार्च-२०१९ में ली जाने वाली कक्षा-१०, कक्षा-१२ सामान्य प्रवाह और कक्षा-१२ साइंस की परीक्षा ७ मार्च से शुरू होगी, शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाती परीक्षाओं में सीसीटीवी के साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य-करने के निर्देश जारी किए गए हैं । परीक्षा के कुछ दिनों पहले बोर्ड के आदेश से स्कूल के संचालक भी दुविधा में पड़ गये हैं । दूसरी तरफ, ऑडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य किए जाने से विद्यार्थियों ने भी भवन में परीक्षा देते समय एक-दूसरे के साथ बात करते समय या इशारा करने सहित की हरकत से सावधानी रखनी पड़ेगी । नहीं तो, सीसीटीवी कैमरे के साथ उनका आवाज भी ऑडियो रिकॉर्डिंग में कैद हो जाएगा ।

उल्लेखनीय है कि, गुज रात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाती परीक्षा में हर वर्ष सीसीटीवी के द्वारा रिकॉर्डिंग होती है लेकिन हर वर्ष सीडी करप्ट होने की तथा रिकॉर्डिंग नहीं हो रहे होने की कई शिकायतें मिली थी । जिसकी वजह से शिक्षा बोर्ड द्वारा सीसीटीवी कवरेज प्रभावी किस तरीके से करे इस मामले में सूचना दी है । शिक्षा बोर्ड ने स्कूल संचालकों को परीक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा हो ऐसी व्यवस्था करने की सूचना अब जारी किया गया है । बोर्ड की गाइडलाइन में बताये अनुसार सभी ब्लोक के सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में होना चाहिए और फूटेज स्पष्ट होना जरूरी है तथा स्कूल को एन्ट्री गेट की अलग फाइल बनानी होगी, बोर्ड की परीक्षा के दौरान विद्यार्थी एंट्री करे और परीक्षा भवन में बैठे तब तक की ऑडियो रिकॉर्डिंग करना होगा इसके बाद १५ मिनट तक ऑडियो रिकॉर्डिंग करना होगा ।

बोर्ड प्रशासन की यह सूचना की वजह से अब अंतिम समय में स्कूल के संचालक भी तैयारी करने में लगे हुए हैं । दूसरी तरफ विद्यार्थियों और अभिभावकों में यह बात को लेकर अब सावधानी रखने की भावना देखने को मिल रही है ।

गुजरात में स्वाइन फ्लू से और ४ की मौत से हाहाकार

अहमदाबाद । प्रदेश में स्वाइन फ्लू का कहर लगातार बढ़ रहा है । एक ही दिन में नए ११८ मरीजों की पुष्टि हुई है । जबकि चार की मौत भी हो गई । इस वर्ष कुल मरीजों की संख्या २३०३ हो गई है । इनमें से ७९ की मृत्यु हो गई । राज्य में नए ११८ मरीजों में से सबसे अधिक २९ अहमदाबाद मनपा क्षेत्र में सामने आए हैं । इसके अलावा वडोदरा मनपा में २४ नए मरीजों की पुष्टि हुई है । कच्छ जिले में नौ, साबरकांठा और राजकोट मनपा में छह-छह, सुरत मनपा में चार, गांधीनगर मनपा, अमरेली, बडोदरा जिले में तीन-तीन, भावनगर मनपा, अरवल्ली, जूनागढ़, गांधीनगर, छोटा उदेपुर, जामनगर खेडा, द्वारका और महीसागर में दो दो, राजकोट, सुरेन्द्रनगर, जामनगर मनपा और सुरत जिले में एक एक मरीज की पुष्टि हुी है । जबकि तीन मरीजों की मौत भी हो गई । इसके साथ ही अब तक राज्य में कुल मरीजों की संख्या २३०३ हो गई है । इनमें से १४१८ मरीज ठीक हो गए हैं, जबकि ६९२ मरीज विविध अस्पतालों में उपचाराधीन है । अब तक ७९ की मौत हो गई । मरीजों में सबसे अधिक ६८४ अहमदाबाद मनपा क्षेत्र में है ।

मनपा के आंकड़ों के अनुसार अबतक १४ की मौत हुई है ।

व्यापारी के साथ तीन करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी हुई

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर के नारणपुरा क्षेत्र के एक व्यापारी के साथ तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है । वॉटर ट्रीटमेंट प्लान्ट की कंपनी स्थापित करने की लालच देकर एक ही परिवार के पांच लोगों ने यह धोखाधड़ी करके व्यापारी को करोड़ों रुपये का चुना लगाने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । व्यापारी की शिकायत के आधार पर नवरंगपुरा पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है । अहमदाबाद शहर के नारणपुरा क्षेत्र में मीराम्बिका चार रास्ते के पास जीवन स्मृति सोसाइटी में रहते बंकिमभाई जयंतीलाल शाह ने नवरंगपुरा क्षेत्र में यह धोखाधड़ी मामले में गौरव हरगोवनदास दवे, हितेश विशालभाई दवे, विशाल गौरवभाई दवे, दर्शन गौरवभाई दवे और अमी गौरवभाई दवे (निवासी-पार्श्व पद्मावती फ्लेट, वासणा बस स्टेन्ड, जीवराज मेहता होस्पिटल रोड, वासणा) के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई गई है । शिकायतकर्ता व्यापारी बंकिमभाई शाह शेयरबाजार के धंधे के साथ जुड़े हुए हैं और उनकी ऑफिस नवरंगपुरा कॉमर्स छह रास्ते के पास मोनार्क हाउस क्षेत्र में स्थित है । इसी क्षेत्र में ऑफिस वाले गौरव दवे के संपर्क में बंकीमभाई वर्ष २०१६ में आये थे । गौरव दवे बंकिमभाई को वॉटर क्लीन्ज सोल्युशन एलएलपी नाम की वॉटर ट्रीटमेंट कंपनी खोलने की और भागीदारी करने की एक स्कीम दी । यह स्कीम के तहत बंकिमभाई और गौरव दवे तथा इसके परिवार के दूसरे लोगों ने एक करार किया था । यह करार में एक एग्रीमेन्ट भी किया गया था जिसमें गौरव दवे विशाल दवे, दर्शन दवे, हितेश दवे यह सभी भागीदार थे । दवे परिवार के यह आरोपियों ने बंकिमभाई को कंपनी में भागीदार बनाने के बाद फंड जमा कराने के लिए विश्वास में लेकर कुल ९४,७५,७५० और व्यक्तिगत रूप से ७९,००,००० रुपये मिलाकर कुल ३,७३,७५,७५० रकम का बड़ा फंड जमा करवाया था ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**